दादी की हैट

रोजमेरी कहन

हिंदी: इंदुजी

दादी की हैट

रोजमेरी कहन

हिंदी: इंदुजी

“दादी, हमें अपनी हैट की कहानी सुनायें, प्लीज़,” दादी की आराम-कुर्सी के पास ज़मीन पर लेटते हुए सैली ने कहा.

“हाँ, दादी,” नैन्सी और निकोला ने भी एक साथ कहा.

ऐन्ड्रयू आकर दादी की गोद में बैठ गया. उसे भी दादी की कहानियाँ सुनना अच्छा लगता था.

“ओह, वह मज़ेदार कहानी,” दादी ने कहा.

वह अपनी कुर्सी में आराम से बैठ गईं और उन्होंने अपनी आँखें एक पल के लिए बंद कर लीं जैसे कि वह कोई पुरानी बात याद कर रही थीं.

“एक समय की बात है.......” दादी ने कहानी शुरु की.

“एक समय की बात है?” निकोला ने बीच में टोका. “क्या यह कोई परी कथा है?”

“नहीं, मेरी बच्ची,” दादी ने कहा, “यह एक सच्ची कहानी है लेकिन यह घटना बहुत पहले घटी थी. सब पुरानी कहानियाँ ऐसे ही शुरु की जाती हैं कि ‘एक समय की बात है’.”

दादी ने फिर से कहानी सुनानी शुरु की.

“एक समय की बात है जब मेरी आयु, सैली, तुम्हारी आयु के बराबर थी, मैं अपने माता-पिता और दो छोटी बहनों के साथ कारू में स्थित एक छोटे से नगर, डी आर, में रहती थी. गैब्रियल और जॉय मेरी बहनों के नाम थे. गर्मियों के दिन वहाँ बहुत गर्म और धूल भरे होते थे और पानी तो सोने से भी अधिक मूल्यवान हो जाता था.

“मेरे पिता, अर्थात तुम्हारे परदादा, एक दुकानदार थे. नगर की सबसे बड़ी और अच्छी दुकान उनकी थी. सुबह के समय मेरी माँ दुकान में उनकी सहायता किया करती थी. जब हम बहनें थोड़ी बड़ी हो गईं तो दुकान में पिता की मदद करने की अनुमति हमें भी मिल गई.
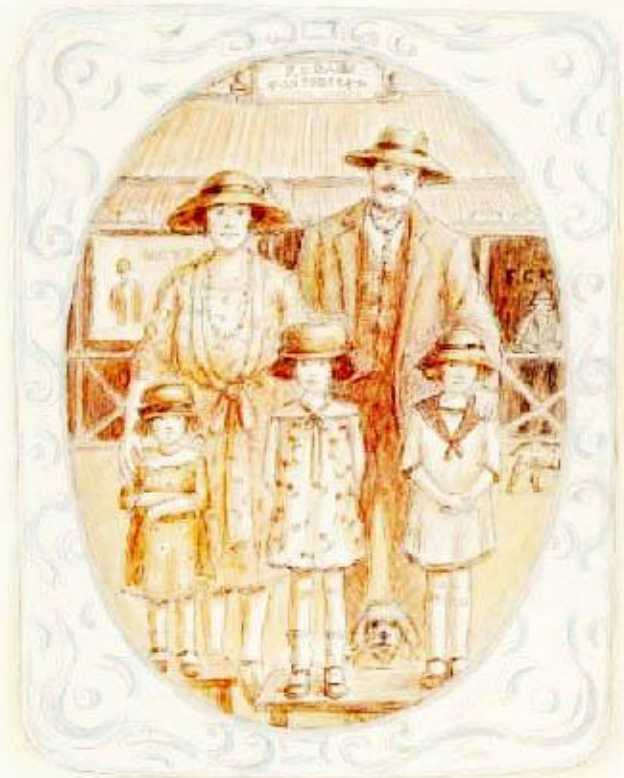
"उस दुकान की सुगंध मुझे बहुत अच्छी लगती थी. मेरे पिता लगभग हर वस्तु बेचते थे, साबुन से लेकर चीनी तक, कपड़ों से लेकर मेज़पोशों तक. उन दिनों की दुकानें वैसी न थीं जैसी आजकल होती हैं.

"दुकान में दुकानदार एक लंबे काउंटर के पीछे खड़े रहते थे और ग्राहकों को जो भी चीज़ चाहिये होती थी, उसे स्वयं उठा कर काउंटर पर लाते थे. मेरे पिता सभी नियमित ग्राहकों से परिचित थे और उनके साथ बातचीत करने के लिए उनके पास सदा समय होता था.

उन्हें अपना काम बहुत अच्छा लगता था. परन्तु जिस चीज़ पर उन्हें गर्व था और जो उन्हें सबसे अधिक खुशी देती थी वह थी उनकी मोटर कार. वह कार थी हपमोबाइल.

“कार की छत को लपेटा जा सकता था और दरवाज़ों को हटाया जा सकता था. उसकी कुर्सियों मुलायम चमड़े की बनी थीं और बहुत आरामदायक थीं. हम सबको लगता था कि वह संसार की सबसे शानदार कार थी.

“हर रविवार को हम सब अपने सबसे बढ़िया कपड़े पहन लेते थे और पिता हमें कार में घुमाने ले जाते थे. कभी-कभी हम सिर्फ कार की सैर करते थे, लेकिन अकसर हम जान-पहचान वालों को मिलने जाते थे.

“कारु में भेड़ें पालने को चलन था और मेरे पिता के कई मित्रों के भेड़ों के बड़े-बड़े फार्म थे.

“उन दिनों हैट भी रविवार की वेषभूषा का एक अंग होती थी. हम ने हैट पहनने से कभी मना न किया था. लेकिन एक बार मेरी माँ मेरे लिए इतनी भद्दी हैट लेकर आई, जैसी मैंने पहले कभी न देखी थी.

“वह सरसों के पीले रंग वाली बहुत ही बेढंगी हैट थी जिसे माँ ने ‘ओल्ड गोल्ड’ का नाम दे रखा था. मैं उससे घृणा करती थी. हैट एक उलटे रखे हुए, बिना हैंडल के, मल-मूत्र पात्र जैसी दिखाई देती थी.

“हैट देखकर मेरी बहनें बहुत हँसीं और उन्होंने उसके लिए कई असभ्य नाम सोच लिए. और जब मेरी सबसे अच्छी मित्र ऐलिज़ ने वह हैट देखी तो वह इतना हँसी कि उसकी आँखों से आँसू निकल आए. मेरा मन कर रहा था कि मैं रोने लगूं पर अभिमान वश मैं रोयी नहीं.

“एक रविवार की सुबह,” दादी ने आगे कहा, “पिता ने कार को धोया और पॉलिश किया. हम सब ने रविवार के बढ़िया कपड़े पहन लिए थे. मराइ परिवार से मिलने के लिए हम लंबी यात्रा पर घर से निकल पड़े. मराइ परिवार का भेड़ों का फार्म बहुत बड़ा था और हमें उस फार्म में जाना अच्छा लगता था. उनके फार्म में अकसर भेड़ों के छोटे मेमने होते थे, उनके पास कुत्ते, बिल्लियाँ और घोड़े भी थे.

“उनके फार्म की ओर जाती सड़क पूरी तरह सपाट थी. रास्ते के दोनों ओर, घास और झाड़ियों के झुरमुटों के अतिरिक्त, देखने के लिए कुछ भी नहीं था. समय बिताने के लिए हम गाने लगे.

“हम कार में बैठे हुए मस्ती से गा रहे थे कि हवा तेज़ गति से चलने लगी. मैंने अपना सिर थोड़ा सा पीछे झुकाया और अचानक भद्दी, सरसों के पीले रंग की मेरी हैट मेरे सिर पर न थी. मैंने घूम कर यह भी नहीं देखा कि वह कहाँ गिरी थी. मैं मस्ती में गाती रही जैसे कि कुछ हुआ ही न था.

जब हम फार्म हाउस पहुँचे तब गैब्रियल ने ध्यान दिया कि मेरी हैट गायब थी.

“देखो, देखो, स्टैल की हैट नहीं है!” वह चिल्लाई. हर कोई मुझे देखने लगा. “तेज़ हवा ने उड़ा दिया,” मैंने बुदबुदा कर कहा.

“माँ ने कहा, ‘ओह, एस्टेहल, तुम्हारी नई हैट.......’ और वह बहुत दुखी लग रही थीं. लेकिन उन्होंने और कुछ नहीं कहा क्योंकि उसी समय हमारे मित्र हमारा स्वागत करने के लिए घर से बाहर आ गए थे. इसलिए थोड़े समय के लिए मैं डांट से बच गई थी.

“जब हम वहाँ से वापस चले तो देर हो चुकी थी. ‘मैं-तुम-से-प्रसन्न-नहीं-हूँ’ वाली नज़रों से माँ मुझे देखती रही पर सारे रास्ते उन्होंने मुझ से कोई बात नहीं की. मैं चाह रही थी कि वह मुझे डांट कर अपना मन को हल्का कर लें.

“लौटते समय हमने कोई गीत नहीं गाये. पिता ने कार की छत बंद कर दी थी क्योंकि हवा बहुत ठंडी थी. मेरी दोनों बहनें सो गई थीं लेकिन दंड की प्रतीक्षा में मैं सीधी बैठी रही.

"जब हम घर पहुँचे तब पिता ने मेरे कंधे पर हाथ रख कर मुझे अपने साथ चिपका लिया. मैं समझ गई कि वह हैट के बारे सब जानते थे.

"अंततः माँ ने इतना ही कहा कि मुझे एक माह अपना जेब-खर्च नहीं मिलेगा क्योंकि एक नई हैट खरीदने के लिए उन्हें बचत करनी होगी.

“एक माह बीतने से पहले पिता किसी काम से किम्बरली गए, जो हमारे नगर से बड़ा नगर था. वहाँ से वह मेरे लिए एक नई हैट ले कर आए.

“उस हैट का रंग वसंत ऋतु की कोमल हरी काई जैसा था. मुझे लगा कि जितनी हैट्स मैंने देखी थीं यह हैट उन सबसे अधिक सुंदर थी. कोई और हैट पहन कर मुझे उतनी खुशी न मिली थी जितनी खुशी वह हैट पहन कर मिली थी.

कुछ सप्ताह बाद हम वैन डर हीवर्स परिवार से मिलने के लिए घर से चले. हम उसी दिशा में गए और सारे रास्ते हम गाने गाते रहे. मैं ऊँची आवाज़ में गा रही थी क्योंकि मैं बहुत प्रसन्न थी. मैं गाने में इतनी मग्न थी कि बिजूका देखने से मैं लगभग चूक गई. बिजूका की पतलून टाट की बनी थी और एक पुरानी चैक-शर्ट उसने पहनी थी और उसके सिर पर मेरी सरसों के रंग की हैट थी. हैट धूल से भरी और पुरानी लग रही थी पर निश्चय ही वह मेरी थी.

"पिता ने कहा कि मेरे बजाय उस बिजूका को उस हैट की ज़्यादा ज़रुरत थी. पिता ने चेतावनी दी कि वैन डर हीवर्स को यह नहीं कहना था कि जो हैट बिजूका के सिर पर थी वह मेरे हैट थी. पिता अपने मित्रों को लज्जित नहीं करना चाहते थे.

"लेकिन लंच के समय मिस्टर वैन डर हीवर्स ने पापा से कहा, "मेरे बगीचे में जो बिजूका लगा है उसके बारे में आपको कुछ कहना है?" मेरे पिता जब उत्तर देने लगे तो मुझे और मेरी दोनों बहनों को हंसी आ गई.

हमें हंसता देख वैन डर हीवर्स अवश्य आश्चर्य चकित हुए होंगे. पिता ने कहा, "ऐन्टन ऐसा बिजूका मैंने आजतक नहीं देखा- उसकी डरावनी हैट के पास तो कोई पक्षी आने का साहस न करता होगा."